CLASS : 12th (Sr. Secondary) **3653/3603**

Series : SS-M/2018

Total No. of Printed Pages : **32**

SET : A, B, C & D

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HINDI (Core)

[For all Groups I, II, III]

ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.

(ii) Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.

(iii) Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.

(iv) Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.

(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अन्तिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

(ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

(iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

(iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

(v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।

(vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

SET – A

---

1. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 6 = 6$

(i) (ख) कण-कण

(ii) (क) चौकोना

(iii) (घ) हनुमान

(iv) (ग) कृषक को

(v) (क) उषा का

(vi) (ग) रोचक

2. काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

आद्यंत : दिल ..... चेहरा है।

प्रसंग : यह काव्यांश गजानन माधव मुक्तिबोध द्वारा रचित 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता से उद्धृत है। यहाँ कवि ने अपने सहज प्रेम का वर्णन किया है।

व्याख्या : स्वतः स्पष्ट है।

विशेष : चाँद ज्यों = उपमा, मानक हिन्दी, मुक्त छन्द

अथवा

आखिरकार ..... ठोंक दिया।

बात सीधी थी पर ..... कुँवर नारायण

व्याख्या : स्वतः स्पष्ट है।

कील की तरह = उपमा, सरल हिन्दी, मुक्त छन्द।

3. कवि परिचय : 4

आलोक धन्वा : जन्म 1948 ई० मुंगेर (बिहार) 'दुनिया रोज बनती है'।

कवि, आलोचक, अतिथि व्याख्याता प्रसाद गुण संपन्न भाषा, आलंकारिक भाषा, मुक्त छन्द।

अथवा

तुलसीदास : 1532 – 1623 उत्तर प्रदेश रामचरितमानस, कवितावली, विनयपत्रिका इत्यादि। अवधी, ब्रजभाषा, संस्कृत

दोहा - चौपाई शैली, कवित्त, सवैया आदि।

4. काव्य - सौन्दर्य : 2

पतंग उड़ानकों की गतिविधि का साहित्यिक वर्णन है। मृदंग की तरह = उपमा

सरल हिन्दी, युक्त छन्द।

5. प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर : 4 + 4 = 8

(क) कवि ने जीव जगत में व्याप्त भावना एवं मानवीय विह्बलता को प्रस्तुत किया है। .....

(ख) बादल को क्रांतिकारी के रूप में उपस्थित करके साम्यवादी चेतना को उजागर किया है। .....

(ग) युद्ध में मूर्च्छित लक्ष्मण के प्रति राम का प्रलाप सराहनीय है।.....

6. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 7 = 7$

(i) (ख) दुबला

(ii) (क) आँख

(iii) (घ) उपमंत्री

(iv) (ग) पहलवान की ढोलक

(v) (क) यहूदीवंशी

(vi) (ग) कोमल

(vii) (ख) जातिवाद

7. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

आद्यंत - आदर्श समाज में ..... लोकतन्त्र है।

सन्दर्भ - मेरी कल्पना का आदर्श समाज - बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर

प्रसंग - लेखक ने आदर्श समाज को लोकतांत्रिक सिद्ध करते हुए अपना विचार रखा है।

व्याख्या : .....

विशेष : विवेचन शैली, मानक हिन्दी दूध-पानी के मिश्रण की तरह = उपमा

अथवा

जाड़े का दिन ..... निस्तब्धता।

पहलवान की ढोलक - फणीश्वर नाथ रेणु

प्रसंग : लुट्टन सिंह पहलवान के विषय में वर्णन करने के वातावरण का निर्माण किया है।

व्याख्या : .....

विशेष : वर्णन/प्रवाह शैली, मानक हिन्दी, शिशु की तरह = उपमा

8. (क) राजनीतिक सरहदें तथा विश्वव्यापी मानवीय व्यवहार की मानसिक हलचल का सुन्दर चित्रण किया गया है। 4

(ख) काले मेघ से पानी माँगने वाली नौजवानों की मेढ़क-मण्डली एक मिथक के तहत चित्रित की गई है। 2

(ग) सहनशक्ति और निर्लिप्तता के आधार पर शिरीष और अवधूत को समान कहा गया है। 2

9. ***वितान*** (भाग - 2) के प्रश्नों के उत्तर : $2 \times 5 = 10$

(क) किशनदा ने यशोधर बाबू को पहले अपने यहाँ रखा, पचास रुपए उधार दिए और बाद में अपने विभाग में नौकरी दिलवाई।

(ख) यशोधर बाबू की बेटी जीन्स और बिना बाँह का टाप पहनती थी। उसके वैवाहिक सपने भी बहुत ऊँचे थे। वह आधुनिकता की पक्षधर थी।

(ग) मुअनजोदड़ो के अजायबघर में औजार तो हैं, परन्तु हथियार नहीं हैं। ये इस तथ्य के सूचक हैं कि उस समय प्रशासन अनुशासनपरक था, बलपूर्वक आरोपित नहीं।

(घ) आनंदा की कक्षा में दुबला-पतला छात्र बसंत पाटील था। वह पढ़ाई में तेज और स्वभाव से शांत था। वह कक्षा का मॉनीटर भी था।

(ङ) ऐन फ्रैंक सिने संसार की पत्रिकाओं को गहराई से पढ़ती थी। इसलिए वह अपने घर में तथा सखी-मण्डली में फिल्मी नायक-नायिकाओं के नाम तथा अभिनय पर समीक्षा प्रस्तुत कर देती थी। यह उसके फिल्मी प्रेम का सूचक है।

10. (क) **अभिव्यक्ति और माध्यम** के आधार पर उत्तर : $1 \times 5 = 5$

(i) रेडियो नाटक की अवधि 15 से 30 मिनट होती है।

(ii) रंगमंच नाट्य विधा में आवश्यक है।

(iii) किसी समाचार का घटनास्थल से सीधा प्रसारण लाइव कहलाता है।

(iv) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में प्रिंट अर्थात मुद्रण माध्यम सबसे पुराना है।

(v) समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय और उपयोगी शैली उलटा पिरामिड-शैली है।

(ख) एक कामकाजी और अथवा जातिवाद पर लेख एक सरल कार्य है। 5

(ग) विशेष लेखन यदि बीट से सम्बद्ध है तो उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग होता है। फीचर लेखन में कथात्मक शैली होती हैं। 'चाँदी लुढ़की' 'सोना उछला' जैसी विशिष्ट भाषा का प्रयोग किया जाता है। 5

अथवा

कहानी-चयन, समय-सीमा, संवाद-योजना, ध्वनि संकेत, उपयोगी उद्देश्य आदि को रेखांकित करने वाली प्रक्रिया से रेडियो नाटक लिखा जाता है।

11. (क) (i) सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2

चिन्मय = चित् + मय

बहिर्मुख = बहिः + मुख

(ii) सन्धि कीजिए :

उत् + ज्वल = उज्ज्वल 1

(ख) (i) बहुव्रीहि समास में दोनों पद गौण होते हैं तथा ये मिलकर अन्य पद के विषय में कुछ संकेत करते हैं यथा - 2

नीलकण्ठ = नीला है कंठ जिसका, शिव

(ii) समास विग्रह : 1

हस्तलिखित = हस्त से लिखित, तत्पुरुष समास

(ग) उपमेय में उपमान की संभावना को उत्प्रेक्षा अलंकार कहते हैं। यथा - 2

सोहत ओढे पीत पर, श्याम सलोने गात।

मनहुँ नीलमणि शैल पर, आतप परयो प्रभात।।

(घ) वाक्य शुद्ध कीजिए : 2

(i) सेब की एक पेटी ले आना।

(ii) मानवता/ मानवपन प्रशंसनीय है। 1

SET – B

1. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 6 = 6$

(i) (ग) विह्वलता

(ii) (क) पतंग

(iii) (घ) भाषा के

(iv) (ख) गरबीली

(v) (ग) धूप

(vi) (क) अक्षय

2. काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

घन ..... बादल।

'बादल राग' सूर्यकांत त्रिपाठी निराला'

व्याख्या स्वतः स्पष्ट है।

नवजीवन = वर्षा का पानी एवं नई जिन्दगी

श्लेष अलंकार, क्रांतिकारी के रूप में बादल।

मानक हिन्दी, मुक्त छन्द।

अथवा

बहु बिधि ..... देसाई।

लक्ष्मण - मूर्च्छा और राम का विलाप

व्याख्या स्वतः स्पष्ट है।

गोस्वामी तुलसीदास

सोचत सोच
स्रवत सलिल } अनुप्रास

राजीव दल लोचक = रूपक/उपमा

अवधी, चौपाई शैली।

3. कवि परिचय : 4

निराला : 1899 मेदिनीपुर (बंगाल) जन्म पारिवारिक गाँव गढ़ाकोला, उन्नाव (उ० प्र०) संपादक, कवि, लेखक निराला रचनावली आठ खण्डों में छायावादी शैली, मैं शैली, मानक हिन्दी

अथवा

कुँवर नारायण : 1927 (उत्तर प्रदेश) समीक्षक, कवि, लेखक आत्मजयी (प्रबंध काव्य) मानक हिन्दी, गीति एवं मुक्तक शैली।

4. काव्य-सौन्दर्य : भोर के नभ का प्राकृतिक सौन्दर्य चित्रित किया है जो नीले शंख के समान तथा राख से लीपे हुए चौके के समान लग रहा था। उपमा अलंकार, मुक्त छन्द, मानक हिन्दी। 2

5. प्रश्नों के उत्तर : $4 + 4 = 8$

(क) जनसंचार एवं समाज में व्याप्त संवेदनहीनता तथा दिव्यांगों के प्रति सहानुभूति प्रदर्शन ही इस कविता का मूल भाव है।

(ख) उमाशंकर जोशी ने 'बगुलों के पंख' कविता में बगुलों की उड़ान, आकाश में छाए बादल, सन्ध्या की सफेदी आदि को प्राकृतिक सौन्दर्य के रूप में चित्रित किया है।

(ग) प्यार का गम, शराब का नशा, अपने आपको भुलाना आदि 'गजल' में निहित शायर का दर्द है।

6. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 7 = 7$

(i) (ग) किसान

(ii) (ख) विडम्बना

(iii) (घ) ढाका का

(iv) (क) प्रेमचन्द के

(v) (ग) दो

(vi) (क) इन्द्र

(vii) (ख) चूरन

7. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

अपना ..... रह जाते हैं।

काले मेघा पानी दे ..... धर्मवीर भारती

भ्रष्टाचार में लिप्त मानव समाज पर व्यंग्य। मानक हिन्दी, विवेचन शैली

अथवा

जब ..... करते हैं।

"शिरीष के फूल" - हजारी प्रसाद द्विवेदी

शिरीष का ललित वर्णन किया है। अवधूत की भाँति = उपमा, प्रवाह शैली, मानक हिन्दी।

8. (क) छोटे कद और दुबले शरीर वाली भक्तिन का व्यक्तित्व भारत के शोषित और पिछड़े नारी समाज का प्रतीक है। पुराने विचार में रमने वाली भक्तिन का महादेवी वर्मा के यहाँ अच्छा निर्वाह हुआ।.....। 4

(ख) 'नमक' कहानी में देश विभाजन के कारण उत्पन्न वह वेदना व्यक्त है जो जन्म-भूमि के प्रति लगाव के कारण कुंठा बनकर रह जाती है। 2

(ग) चार्ली चैप्लिन की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण सिने जगत में हस्य और करुणा से उत्पन्न चमत्कार कहा गया है। 2

9. ***वितान*** (भाग - 2) के प्रश्नों के उत्तर : $2 \times 5 = 10$

(क) मास्टर सौंदलगेकर साहित्यिक चेतना के धनी थे। उन्होंने मराठी, हिन्दी और अंग्रेजी की कई कविताएँ कंठस्थ कर रखी थी। वे स्वयं भी कवि थे। आनंदा के प्रेरणा-स्त्रोत थे।

(ख) गन्ने का रस पकने में समय लगता है। बाद में गन्ने के रस से गुड़ बनाइये तो गुड़ ज्यादा बनता है पर भाव कम मिलता है। पहले बनाओ तो भाव ज्यादा मिलता है। इसलिए आनंदा के दादा का कोल्हू सारे गाँव में सबसे पहले चलता था।

(ग) मुअनजोदड़ो के पुरातत्व अवशेषों में बौद्ध स्तूप सबसे ऊँचे चबूतरे पर बना दिखता है। अब वह टीला जीर्ण-शीर्ण है। यह चबूतरा पच्चीस फीट ऊँचा है। स्तूप पुरानी ईटों से बना है।

(घ) द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जर्मनी में यहूदियों पर नाजियों का प्रकोप हुआ। उस समय ऐन फ्रैंक और उनके परिजनों को खाने-पीने, समाचार-पत्र पढ़ने, उन्हें खुश रखने की व्यवस्था जॉन तथा मिस्टर क्लीमेन ने की।

(ङ) मेनन ने कार्यालय में यशोधर बाबू को उनकी सिल्वर वैडिंग की याद दिलाई। वे खुश भी हुए और झेपे भी। यशोधर ने

सिल्वर वैडिंग के समारोह को गोरे साहबों के चोंचले माना। उनकी नजर में यह अपव्यय था।

10. (क) अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर उत्तर : $1 \times 5 = 5$

(i) रेडियो श्रव्य माध्यम है।

(ii) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का दूसरा दौर 2003 ई० से आरम्भ हुआ।

(iii) इंटरव्यू को हिन्दी में 'साक्षात्कार' कहते हैं।

(iv) हाँ 'स्वास्थ्य' विशेष लेखन का क्षेत्र है।

(v) नाटक दृश्य विधा है।

(ख) 'अपना विद्यालय' पर लेख या दो मित्रों की बातचीत का विवरण स्वतः स्पष्ट है। 5

(ग) प्रिंट माध्यम का इतिहास कम्पोजिंग से आरम्भ होकर कम्प्यूटर तक पहुँचा और छपाई की तकनीक के विभिन्न आयामों को पार करता हुआ समाचार पत्र और पत्रिकाओं के रूप में इस समय भी जनसंचार का सबसे बड़ा माध्यम है। 5

अथवा

फीचर किसी व्यक्ति का घटनाक्रम का तथ्यात्मक समूचा विवरण है। 'डोकलाम विवाद' फीचर का विषय है। क्रिकेट का भगवान' फीचर लेखन का विषय रह चुका है। .....

11. (क) (i) दीर्घ सन्धि, स्वर सन्धि का एक भेद है। इसमें दो ह्रस्व या एक ह्रस्व और एक दीर्घ अथवा दोनों दीर्घ दीर्घ हो जाते हैं। यथा 2

मत + अनुसार (अ + अ) = मतानुसार

देव + आलय (अ + आ) = देवालय

विद्या + आलय (आ + आ) = विद्यालय

(ii) सन्धि - विच्छेद : 1

उल्लास = उत् + लास

(ख) (i) पूर्वपद विशेषण और उत्तरपद विशेष्य वाला समास कर्मधारण कहलाता है। यथा 2

समस्तपद = विशेषण विशेष्य विग्रह

नीलकमल = नील + कमल नीले रंग का कमल

(ii) समास विग्रह एवं नाम : 1

आकण्ठ = कण्ठ तक, अव्ययीभाव समास

(ग) जब एक शब्द दो या दो से अधिक बार प्रयुक्त होकर दो या दो से अधिक अर्थ दे तो उसे यमक अलंकार कहते हैं। यथा कनक कनक तै सौगुनी मादकता अधिकाई। या खाए बौरात नर, वा पाए बौराइ।। 2

कनक = सोना

कनक = धतूरा

(घ) वाक्य शुद्ध कीजिए : 2

(i) मिठाइयाँ आमतौर पर अच्छी लगती हैं।

सुन्दर रूप/सूक्ष्म सराहनीय है।

SET – C

---

1. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 6 = 6$

(i) (ख) आँख

(ii) (क) उर्दू में

(iii) (घ) पार्वती

(iv) (ग) आतंक-भवन

(v) (क) धुएँ के बादलों में

(vi) रंध्रों के सहारे

2. काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

प्रात नभ था ..... गई हो

उषा ..... शमशेर बहादुर सिंह

कवि ने प्रातःकालीन बेला का आलंकारिक

चित्र प्रस्तुत किया है।

नीला शंख जैसे = उपमा

उत्प्रेक्षा एवं संदेह अलंकार

मानक हिन्दी, मुक्त छन्द

अथवा

बच्चे ..... ढलता है।

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।

..... हरि वंश राय बच्चन

जीवन सकारात्मक लगाव है - यह तथ्य

उजागर किया गया है।

जल्दी-जल्दी = पुनरुक्ति, गीति शैली

3. कवि परिचय :

रघुवीर सहाय : (1929, लखनऊ, उत्तर प्रदेश) निधन : 1990 दिल्ली में ऑल इंडिया रेडियो में नौकरी) 'हँसो-हँसो जल्दी हँसो' मानक हिन्दी, आलंकारिक हिन्दी मुक्त छन्द, व्यंग्य शैली।

अथवा

गजानन माधव मुक्तिबोध 1917, श्योपुर, ग्वालियर, मध्य प्रदेश

'चाँद का मुँह टेढ़ा है', मनोवैज्ञानिकता, उदात्त भाषा, मुक्त छन्द

4. काव्य - सौन्दर्य : 2

तुलसी ने मूर्च्छित लक्ष्मण के प्रति राम का सहज स्नेह प्रदर्शित किया है।

जथा पंख बिनु खग, मनि बिनु फनि, करिबर कर

हीना = उपमा अलंकार (मालोपमा) अवधी भाषा, चौपाई छन्द

5. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4 + 4 = 8

(क) कैमरे में बंद अपाहिज से इतने प्रश्न पूछे जाते हैं कि वह रो पड़ता है। संवेदना के नाते दर्शक भी रो पड़ते हैं और कार्यक्रम रोचक बन जाता है।

(ख) कवि का कागज छोटे खेत के समान दिखाया गया है। जिस प्रकार से किसान फसल उगाने में साधना करता है, उसी प्रकार कवि कविता की रचना में साधना करता हुआ रस की धारा बहा देता है।

(ग) सीधी बात सरल चित्त से कही जाती है। शब्दविलासी और तर्कशील मानव सरलता में कम और विदग्धता में अधिक विश्वास रखता है। इसलिए कविता में शब्द-चयन की कठिनाई और छन्द के प्रवाह का जंजाल बात को कहीं से कहीं पहुँचा देता है।

6. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 7 = 7$

(i) (ग) सत्यवादी हरिश्चन्द्र

(ii) (क) शैतान का जाल

(iii) (ख) वर्षा

(iv) (घ) चाँद सिंह

(v) (ख) महात्मा गाँधी

(vi) (ग) कर्त्तव्यपालन

(vii) अच्छे-भले प्रेमी

7. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

अँधेरी रात ..... हो जाती थी।

पहलवान की ढोलक ..... फणीश्वरनाथ रेणु

गद्यांश में पहलवान की ढोलक बजने के रात्रिकालीन भीषण वातावरण का वर्णन है।

रात्रि रूपी नायिका = मानवीकरण

आलंकारिक शैली, मानक हिन्दी

अथवा

क्षमताओं ..... के साथ समान व्यवहार किया जाए।

मेरी कल्पना का आदर्श समाज

..... बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर

लेखक ने मानवतावादी समाज की स्थापना के विषय में लिखा है।

मानक हिन्दी, विवेचन शैली।

8. प्रश्नों के उत्तर : 4

(क) संस्कृत साहित्य में शिरीष अपनी कोमलता और सौंदर्य का विषय रहा है। द्विवेदीजी ने इसे अवधूत और गाँधी के साथ तुलना का विषय बनाकर इसे सांस्कृतिक महिमा प्रदान की है।

(ख) बाजार की सार्थकता ग्राहक की सीमाओं और संतुष्टि से सिद्ध होती है।..... 2

(ग) धर्मवीर भारती की जीजी के संस्कार लोकधर्म के पूजा-विधान से सम्बद्ध थे।..... 2

9. वितान (भाग - 2) के आधार पर प्रश्नों के उत्तर : $2 \times 5 = 10$

(क) मुअनजोदड़ो का नगर नियोजन सीधी सड़कों वाली ग्रिड शैली का है। सेक्टर प्रणाली इसी शैली के आधार पर विकसित हुई है।

(ख) सामूहिक स्नान के अनुष्ठान से जुड़ा महाकुंभ चालीस फीट लम्बा तथा पच्चीस फीट चौड़ा है। चूने से चिनी ईंटें इसकी पक्की दीवारों को साकार कर सकीं। कुआँ और पक्की-ढकी नालियाँ हैं।

(ग) समाज के निर्माण और विकास में नारी के योगदान से सम्बद्ध ऐन फ्रैंक के विचार सार्थक कहे जा सकते हैं। वह केवल बच्चे पैदा करने वाली अबला मात्र नहीं है।

(घ) आनंदा का दादा आनंदा को पढ़ाना नहीं चाहता था। वह आनंदा को खेत और जानवरों के काम में व्यस्त रखकर उसके साथ निर्मतता का व्यवहार करता था।

(ङ) भूषण के यशोधर बाबू को सिल्वर वैडिंग के उपहार के रूप में ऊनी ड्रेसिंग गाउन दिया। उनसे कहा गया कि सवेरे दूध लाने के समय इसे पहनें, फटा-सा पुलोवर नहीं। ड्रेसिंग गाउन को पहनकर उन्हें किशनदा याद आए।

10. (क) अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर उत्तर : $1 \times 5 = 5$

(i) भारत में पहला छापाखाना 1556 में खुला

(ii) टेलीविजन दृश्य - श्रव्य माध्यम है।

(iii) किसी समाचार संगठन के नियमित वेतनभोगी पत्रकार को पूर्णकालिक पत्रकार कहते हैं।

(iv) संवाददाताओं के बीच उनकी योग्यता और रुचि के आधार पर कार्य विभाजन को बीट कहा जाता है।

(v) कथानक को कथावस्तु कहते हैं।

(ख) 'बाढ़ का प्रकोप' अथवा 'अच्छे दिन' लेख लिखने के लिए सरलतम विषय हैं। 5

(ग) फीचर को सैट बी में तथा रेडियो नाटक को सैट ए में स्पष्ट किया गया है। 5

11. (क) (i) दो व्यंजनों के मेल से उत्पन्न विकार या परिवर्तन को व्यंजन सन्धि कहते हैं। 2

यथा : दिक् + गज = दिग्गज

(ii) सन्धि कीजिए : 1

ने + अन = नयन

(ख) (i) दोनों पद प्रधान वाले समास को द्वन्द्व समास कहते हैं। यथा - रात - दिन = रात और दिन 2

(ii) समास विग्रह एवं नाम : लम्बोदर = लम्बा है उदर जिसका, गणेश 1

(ग) उपमेय और उपमान की समानता के वर्णन को उपमा अलंकार कहते हैं।

यथा : घृत-सम मानस थे सुपुनीत मानस (उपमेय) घृत (उपमान) सम (वाचक शब्द) सुपुनीत (साधारण धर्म) 2

(घ) वाक्य शुद्ध कीजिए :

(i) दवाइयाँ उपयोगी होती हैं। 2

(ii) भूत, वर्तमान और भविष्य तीन काल हैं। 1

SET – D

1. बहुविकल्पीय प्रश्नों के उचित विकल्प : $1 \times 6 = 6$

(i) (घ) वर्षा

(ii) (क) शरारती बच्चे की तरह

(iii) (ग) चारों ओर से घिरा हुआ

(iv) (ख) सूर्योदय

(v) (क) बादल

(vi) (ख) रस-धारा

2. काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

प्रभु प्रलाप ..... वीर रस।

लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप

..... तुलसीदास

बिलखते राम के अंतिम दृश्य को मूर्तिमान किया गया है। तथा हनुमान का संजीवनी बूटी लेकर आना करूण रस में वीर रस की उत्पत्ति करता है।

व्याख्या : .....

विशेष : जिमि करुना मँह वीर रस = उत्प्रेक्षा सोरठा छन्द, अवधी।

अथवा

हो जाए न ..... ढलता है।

दिन जल्दी-जल्दी ढ़लता है

..... हरिवंशराय बच्चन

व्याख्या सरल है।

जल्दी-जल्दी = पुनरूक्ति प्रकाश

3. कवि परिचय : 4

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

कृपया सैट B के अंकन अनुदेश में देखें।

अथवा

हरिवंशराय बच्चन (1907 – 2003)

इलाहाबाद, प्राध्यापक

'मधुशाला' आत्मकथा चार खण्ड

सरल एवं आलंकारिक भाषा, गीत शैली

4. निम्नलिखित काव्यांश का काव्य - सौन्दर्य : 2

प्रियजन का वियोग प्रदर्शित है।

छटपटाती छाती = अनुप्रास

'बददाश्त' उर्दू शब्द है। तुकांतता,

मानक हिन्दी।

5. प्रश्नों के उत्तर : $4 + 4 = 8$

(क) आलोक घन्वा ने 'पतंग' कविता में शरदकाल को पतंग उड़ाने का मौसम माना है। पतंग उड़ानकों की शारीरिक संरचना को कवि ने उनके उत्साह से जोड़कर बेधड़क मानसिकता को उजागर किया है। .....

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में दूरदर्शन दल की व्यवसायी चेतना को प्रकट किया गया है। .....

(ग) मूर्च्छित लक्ष्मण के प्रति बिलखते राम के मुख से लक्ष्मण को अद्वितीय सेवाभावी भाई सिद्ध करने में कवि सफल रहा है।.....

6. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 7 = 7$

(i) (ख) झूँसी

(ii) (ग) परमात्मा को

(iii) (क) नुकसान

(iv) (घ) ढोलक

(v) (ख) घुमंतु

(vi) (क) कालजयी

(vii) (ग) गतिशीलता

7. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : 5

मैं असल में ..... रहता था।

काले मेघा पानी दे - धर्मवीर भारती

लेखक के अंधविश्वास विरोधी विचार देखने योग्य हैं।

व्याख्या : .....

विशेष : मानक हिन्दी, विवेचन शैली तरकस में तीर रखकर घूमना एक मुहावरा है।

अथवा

लोग ..... रहता है।

बाजार दर्शन – जैनेन्द्र कुमार

संयमी जन और बाजार दर्शन का सम्बन्ध

स्पष्ट किया गया है।

व्याख्या : .....

विशेष : मानक हिन्दी, विवेचन शैली, 'गर्व से फूलता' मुहावरा है।

8. (क) सहज अभिनय के माध्यम से हास्य और करुणा का समन्वय चार्ली चैप्लिन की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण सिद्ध हुआ। 4

(ख) जाति-प्रथा के आधार पर श्रम-विभाजन मानव की रूचि के अनुकूल नहीं होता। 2

(ग) लुट्टन ने पहले चाँद सिंह को थकाया। बाद में कई दाव लगाकर उसे चित कर दिया। 2

9. ***वितान*** (भाग - 2) के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 5 = 10$

(क) आनन्दा के अन्तःकरण में कवयित्री प्रतिभा थी। मास्टर सौंदलगेकर के सान्निध्य में आनन्दा ने काव्य-रचना की प्रक्रिया समझी। वह कागज-पैंसिल सदा साथ रखता था। खेत पर भी अपने भाव लिख लेता था। फलतः वह मराठी कवि बन गया।

(ख) पुरातत्व विभाग ने खुदाई के माध्यम से मुअनजोदड़ों में कपास, गेहूँ, जौ, सरसों, ज्वार, बाजरा और रागी की पैदावार के सबूत प्राप्त किए हैं। अतः रबी एवं खरीफ नामक दोनों फसलें सिन्धु घाटी की सभ्यता से जुड़ी रही हैं।

(ग) पहले यशोधर बाबू अपने कार्यालय तक आने-जाने के लिए साइकिल का प्रयोग करते थे। बाद में स्कूटर सामने आया। वे फिर पैदल ही जाने लगे। वे स्कूटर को बेहूदा सवारी मानते थे और कार पहुँच से बाहर थी। इसलिए कार खरीदने का सपना भी नहीं देखते थे।

(घ) द्वितीय विश्वयुद्ध के दौर में जर्मनी ने हजार गिल्डर के नोट को अवैध मुद्रा घोषित करने की योजना बनाई। जनसमूह के सामने मुद्रा बदलने का संकट सामने आया। यहूदी तो आतंक और मारकाट के दौर में भूमिगत होने के कारण बुरे फँसे।

(ङ) ऐन फ्रैंक नर-नारी की समानता की दुहाई देती थी। व्यवहार में पुरुष के सामने नारी को हीन माना जाता था। ऐन फ्रैंक ने इसका विरोध किया और विविध क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान को मानने पर बल दिया।

10. (क) अभिव्यक्ति और माध्यम के प्रश्नों के उत्तर : $1 \times 5 = 5$

(i) समाचार पत्र प्रिंट/मुद्रण माध्यम के अंतर्गत आते हैं।

(ii) रेडियो श्रव्य माध्यम है।

(iii) निश्चित मानदेय पर समाचार संगठन के लिए काम करने वाले पत्रकार को अंशकालिक पत्रकार कहते हैं।

(iv) नाटक को रंगमंच पर प्रस्तुत किया जाता है।

(v) कथानक/घटना इतिवृत्त को कथावस्तु कहते हैं।

(ख) रेडियो श्रव्य माध्यम है। आकाशवाणी/प्रसार भारती का कार्यक्रम रेडियो द्वारा ही सुना जाता है। टेलीविजन बाद में विकसित हुआ। रेडियो के लिए समाचार लेखन, विज्ञापन, गीत संकलन, रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता जैसे कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। 5

अथवा

टेलीविजन दृश्य-श्रव्य माध्यम है। इस समय यह सर्वाधिक लोकप्रिय है। टेलीविजन पर समाचारों के सात चरण फ्लैश,

लाइव आदि हैं। फीचर, धारावाहिक, गीत, नाटक, सिनेमा आदि टेलीविजन से प्रसारित किए जाते हैं।

(ग) कहानी पढ़ी-सुनी जाती है और नाटक देखा-सुना जाता है। कहानी का कथानक, चरित्र-सीमा, संवाद कौशल, भाषा-शैली और प्रासंगिक उद्देश्य नाटक के भी आधार हैं। इन्हें लेखक रंगमंच के अनुकूल तैयार करता है। सफल मंचन का यही आधार होता है।..... 5

अथवा

स्कूल की सफाई, सौन्दर्यकरण, प्रचलित गतिविधियाँ जैसे विषयों में से किसी एक विषय पर अध्यापक और छात्र का संवाद आसानी से लिखा जा सकता है।

11. (क) (i) सन्धि - विच्छेद : 2

नायक = नायक = नै + अक

नीरस = निः + रस

(ii) सन्धि कीजिए : 1

तत् + रूप = तद्रूप

(ख) (i) पूर्वपद अव्यय वाली रचना को अव्ययीभाव समास कहते हैं। यथा-यशाशक्ति = शक्ति के अनुसार 2

(ii) समास विग्रह एवं नाम : 1

पनचक्की = पानी + चक्की, पानी से चलाने वाली चक्की, कर्मधारय समास

(ग) किसी भाव, प्राकृतिक वस्तु, अदृश्य शक्ति आदि को मानव का रूप देना काव्य में मानवीकरण अलंकार कहलाता है। यथा 2

बिछुरे नभ मुक्ताहल तारा।

निशि सुन्दरी करे सिंगारा।।

यहाँ रात्रि का सुन्दरी के रूप में मानवीकरण है।

(घ) वाक्य शुद्ध कीजिए : 2

(i) तपस्या आसान नहीं है।

(ii) प्रशासन, शिक्षक और विद्यार्थियों में तालमेल रहना चाहिए।